उपक्रमों में पहले से स्थापित क्षमता का इस्तैमाल करनेमें कुछ अन्तर रहा है। यही बात गैर-सरकारी क्षेत्र के कुछ एककों के बारे में भी कही जा सकती है।

- (ख) सरकार क्षमता के उपयोग में इस मन्तर का पता लगाने के लिये उच्चतम स्तर पर और म्रधिक ध्यान दे रही है और सरकार द्वारा उपक्रमों के म्रध्यक्षों को हिदा-यतें दे दी गई हैं कि क्षमता का पूरा इस्तैमाल करने की योजनाएं लागू करें। उन्हें बताये नाए उपाय ये हैं:—
 - (1) उन वस्तुमों के उत्पादन में विविद्यता लागा जिनकी मांग है भ्रौर जिनमें एसे फालत् पुर्जे शामिल है जिनकी बार-बार मांग होती रहती है;
 - (2) सरकार के विकास सम्बन्धी कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए जहां कहीं सम्भव हो सके उन वस्तुग्रों के प्रधिक ग्रार्डर प्राप्त करना जिनका ग्रीद्योगिक उत्पादों की मांग पर सीधा ग्रसर पहता हो;
 - (3) निर्यात को बढ़ावा देने तथा देश के अन्दर विकी बढ़ाने की दृष्टि से विकी कला को जोरों से चलाने के लिये विकय को सुदृढ़ करना; और
 - (4) विद्युत परियोजनाम्नों, इस्पाती ढांचे तथा भारी इंजीनियरी उद्योगों के क्षेत्र में 'टर्न की' म्राघार पर ठेके प्राप्त करने के लिये साम समृह का निर्माण करना।

Fage Board for Railway Employees

*1000. SHRI M. L. SONDHI: Will

the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether the Uttariya Railway
 Mazdoor Union has demanded a separate wage board for the Railway
 employees;
- (b) whether the Union has also demanded non-introduction of automation to avoid retrenchment of staff; and
- (c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) and (b). No reference has been received from the Union although there have been such demands from different quarters.

(c) Railway employees are servants of the Central Government and therefore their wages are determined on the same basis as is adopted for all Central Government employees. It will not, therefore, be appropriate to have a separate wage board for Railway employees only.

As regards automation, it is the policy to introduce it where it is found to be in the public interest, having regard to the results to be achieved. However, any such introduction of automation is accompanied with certain guarantees including non-retrenchment, designed to sateguard the interests of existing employees.

कपड़े की उत्पादन लागत

*1001. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि लगातार कपड़ की उत्पादन लागत बढ़ रही है भीर उसका उस्पादन गिर रहा है;
- (ख) क्या भारतीय सूती कपड़ा मिलों के फैडरेशन ने धागे और कपड़े पर उत्पादन